मिर्गी का प्राथमिक उपचार

मिर्गी के लिए आपातकालीन सुझाव

यदि किसी व्यक्ति को मिर्गी का कन्वलसिवदौरा

पड़े तो क्या करना चाहिए ?

किसी भी व्यक्ति को मिर्गी का कोई भी दौरा पड़ने पर उसकी मदद के लिए आप निम्नलिखित उपाय अपना सकते हैं:

कुछ तरह के मिर्गी के दौरे जैसे जनरलाइज़्ड एब्सेंस मिर्गी का दौरा या कॉम्पलैक्स पार्शियल मिर्गी के दौरे में, जिसमें मरीज़ में प्रतिक्रियाहीन दौरा तुलनात्मक रूप से कम समय के लिए पड़ता है, इसके लिए किसी ख़ास प्राथमिक-चिकित्सा की ज़रूरत नहीं पड़ती.

टोनिक क्लोनिक मिर्गी का दौरा कन्वल्सिव मिर्गी का दौरा, जिसमें मरीज़ को मूर्च्छा आ जाती है, मांसपेशियां जकड़ जाती हैं, मरीज़ गिर जाता है और मरीज़ को रह-रहकर झटके लगते रहते हैं.

1

दौरे का समय देखें. १.मरीज़ को चोट से बचाने के लिए, मरीज़ के आसपास मौजूद हर तरह की नुकीली चीज़ें दूर हटा दें.

मरीज़ के सर को जितना हो सके बचाए

-उसके सर के नीचे कोई मुलायम तकिया रख दें.

मरीज़ को पकड़ने की कोशिश या उसके झटकों को रोकने की कोशिश न करें.

-मरीज़ के मुंह में कुछ भी डालने की कोशिश न करें.

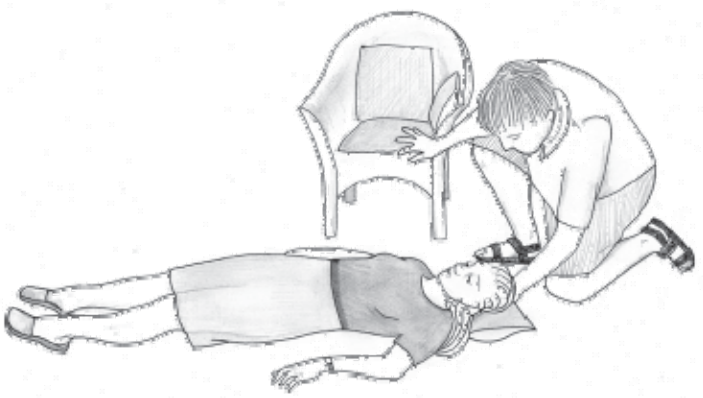

2

२.जैसे ही संभव हो मरीज़ का **धीरे से पकड़कर, करवट के बल लिटा दें.** इससे वह सांस आसानी से ले सकेगा. मिर्गी का दौरा अपने आप खत्म होने तक मरीज़ के साथ रहें.

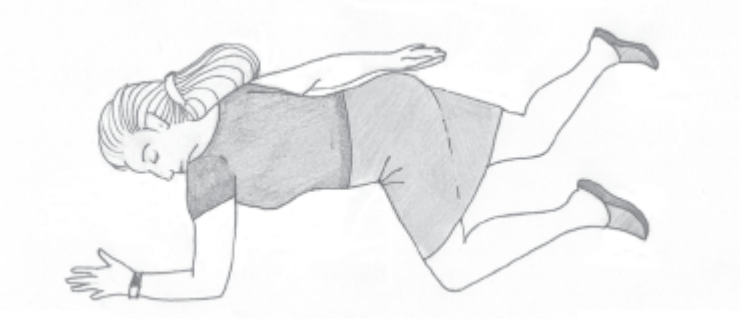

3

३.पूरी तरह होश में आने तक मरीज़ से शांति के साथ बात करें. उसे बताएं कि वो कहां है और जहां भी है पूरी तरह सुरक्षित है. उसे आश्वासन दें कि इसके पूरी तरह ठीक होने तक आप उसके साथ रहेंगे.

मिर्गी का दौरा पड़ने पर व्यक्तिगत मिर्गी देखभाल योजना में बताए निर्देशों का पालन करें. बहरहाल, यदि आप मरीज़ को नहीं पहचानते हैं या ऐसी कोई व्यक्तिगत देखभाल योजना न हो तो...

एंबुलेंस बुलवाएं

कॉम्पलैक्स पार्शियल मिर्गी का दौरा

नॉन-कन्वलसिव मिर्गी का दौरा- चित्तभ्रम, प्रतिक्रियाहीन या अनुचित व्यवहार जैसे लक्षणों के साथ इस दौरे को गलती से शराब या ड्रग का नशा समझ लिया जाता है.

- कॉम्पलैक्स पार्शियल मिर्गी के दौरे के दौरान आपको मरीज़ को बहुत ही सावधानी के साथ रुकावटों और ख़तरनाक चीज़ों से दूर ले जाने की ज़रूरत पड़ सकती है.
- जैसे ही दौरा ख़त्म हो, मरीज़ से शांति से बात करें और उसका हाल पूछें.

एंबुलेंस बुलवाएं

- ✓ यदि दौरा ५ से अधिक मिनट तक पड़े या दूसरा दौरा तुरंत पड़ जाए.
- ✓ यदि दौरा ख़त्म होने के बाद भी ५ से अधिक मिनट
- ✓ तक मरीज़ पर कोई प्रतिक्रिया न हो.
- ✓ यदि मरीज़ को सामान्य से अधिक बार दौरा पड़े.
- ✓ यदि मरीज़ को चोट पहुंचे, उसका चेहरा नीला पड़ जाए या पानी निगल जाए.
- ✓ यदि मरीज़ गर्भवती हो.
- ✓ आपको पता हो या लगे कि यह मरीज़ को पड़ने वाला पहला मिर्गी का दौरा है.

First Aid for Seizures

(Convulsive, generalized tonic-clonic, grand mal)

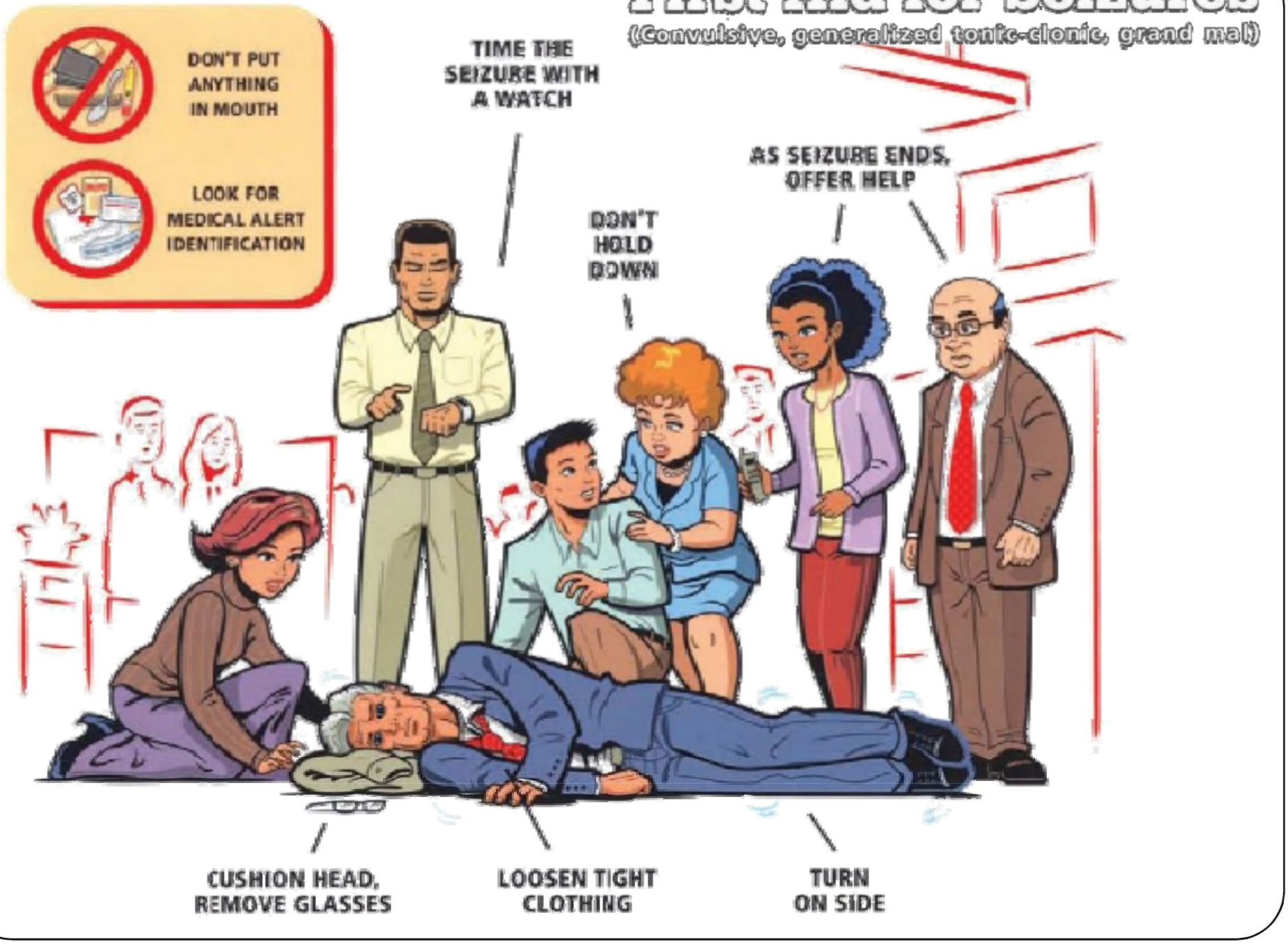

जांच करें मरीज़ को चोट तो नहीं लगी

- *यह अवश्य देखें कि मरीज़ की मानसिक स्थिति सामान्य है या नहीं. इसके लिए मरीज़ का नाम, वर्ष या उस जगह के बारे में पूछें.*
- *जांच करें कि सर और मुंह पर कोई चोट तो नहीं लगी.*

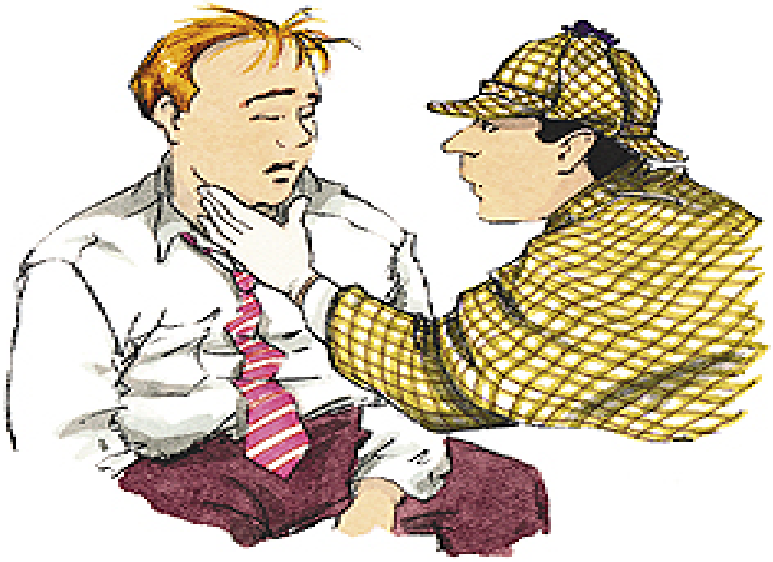

यदि किसी को नॉन-कन्वल्सिव मिर्गी का दौरा पड़े तो क्या करें.

(एकटक किसी चीज़ के बिना शून्य में देखते रहना, चित्तभ्रम हो जाना, प्रतिक्रिया न जताना, बिना उद्देश्य शारीरिक हलचल करते रहना)

१. मरीज़ के पास ही रहें. मिर्गी का दौरा अपने आप खत्म होने दें. शांति से बात करें. लोगों को बताएं कि मरीज़ के साथ क्या हुआ है.
२. मिर्गी का दौरा शुरू होते समय यदि मरीज़ खड़ा या बैठा हो तो उसे आराम से ज़मीन पर लिटा दें ताकि गिरने के कारण उसे चोट न पहुंचे.
३. उसके आसपास से धारदार या नुकीली चीज़ें हटा दें.
४. मरीज़ को ज़बरदस्ती पकड़ने की कोशिश न करें.
५. मरीज़ को आराम से ख़तरनाक चीज़ों से दूर ले जाएं या ख़तरनाक चीज़ें हटा दें.
६. दौरा ख़त्म होने के बाद मरीज़ को सांत्वना और तसल्ली दें.

एम्बुलेंस बुलवाएं

अधिकतर मिर्गी के दौरों को आपातकालीन चिकित्सा की ज़रूरत नहीं पड़ती. एक या दो मिनट में यह अपने आप ख़त्म हो जाता है. इसके लिए आमतौर पर आपातकालीन सहायता की ज़रूरत नहीं पड़ती, बशर्ते डॉक्टर न कहें.

बहरहाल, एम्बुलेंस तुरंत बुलाएं यदिः

- यदि मरीज़ को पहली बार मिर्गी का दौरा पड़े
- हलचल या ऐंठन समाप्त होने के बाद भी यदि सामान्य तरीके से मरीज़ सांस न ले पाए.
- यदि मरीज़ को चोट पहुंचे या दौरा पानी के भीतर पड़े.
- मरीज़ को डायाबिटीज़, हृदय की बीमारी हो या मरीज़ गर्भवती हो
- दौरा काफी लंबे समय तक रहे (रूकने के लक्षण बिना पांच से भी अधिक मिनट चले)
- पहले दौरे के तुरंत बाद, दूसरा दौरा पड़ जाए
- आपको लगे कि मरीज़ को कोई और गंभीर समस्या

दौरे की सम्पूर्ण जानकारी दर्ज करें

जब भी दौरा पड़े निम्नलिखित की जानकारी अवश्य दर्ज करें:

१. मरीज़ द्वारा बताए अनुसार ऑरा का सम्पूर्ण विवरण

२. वो परिस्थितियां, जिनमें मिर्गी का दौरा पड़ा हो

३. मिर्गी के दौरे की शुरूआत का समय

४. दौरे में शामिल मांसपेशियां (और ये यूनिलेटरल है या बायलेटरल है)

५. मिर्गी के दौरे का सम्पूर्ण समय

६. महत्त्वपूर्ण संकेत

७. दौरे के बाद मरीज़ का व्यवहार

८. दौरे के बाद मरीज़ की न्यूरोलॉजिक स्थिति (शरीर के हिस्सों में कमज़ोरी या गतिविधि करने की असमर्थता, नींद आना, दुर्बलता, चित्तभ्रम या सरदर्द)

९. किसी भी चोट और इस बात की भी जानकारी दर्ज करें कि इसके बारे में योग्य व्यक्ति को सूचित किया गया है या नहीं.